Problems being faced by the Paddy Growers in the country

श्री भूपेन्द्र सिंह मान (नाम-निर्देशित) : उपसभाध्यक्ष जी, बहुत अच्छा हुआ कृषि मंत्री भी इस वक्त सदन में हैं । मेरा स्पेशल मेंशन इस वजह से है कि किसानों को अपना पैदा किया हुआ धान का और पैडी की फसल का चावल निकालने की इजाजत नहीं है । किसान सभी मुश्किलें झेलता हुआ अनाज पैदा तो कर लेता है, लेकिन आखिर में जब उसकी फसल तैयार हो जाती है तो उसको अपनी पैडी का छिलका भी उतारने की इजाजत नहीं होती है । भारत सरकार ने अपने पत्र में जो तिथि 3-10-91 का उसमें कहा है कि किसानों का जो मिनी थ्रैशर होता है जो किसानों का इम्प्लीमेंट है क्योंकि किसानों के पास ट्रेक्टर होता है, थ्रेशर होता है, उनके पास ट्यूबवैल होता है । इनके अलावा किसानों के पास छोटे छोटे इम्प्लीमेंट्स भी होते हैं, उनके पास हल होता है । यह भी एक ऐसा ही छोटा इम्प्लीमेंट है जो कि सी०आर०एफ०डी०आई० मैसूर ने डेवलप किया है और बाहर के देशों में यह आम किसानों के पास होता है । इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि क्या वजह है कि भारत सरकार ने किसानों को अपनी पैदा की हुई पैडी से अपने ही खाने के लिए भी चावल निकालने की इजाजत नहीं दी है ? इसलिए मैं आपके जरिये सरकार से यह मांग करता हूं कि किसानों के जो इम्प्लीमेंट्स उनके ऊपर कोई पाबन्दी नहीं होनी चाहिये । एक तरफ तो सरकार यह कह रही है कि इंडस्ट्रियल पालिसी में हमने छूटें दे दी हैं और दूसरी तरफ किसानों को इतना हर दिन बांधा जा रहा है, जंजीरों में जकड़ा जा रहा है । वे अपनी प्रोडयूस को जो वे खुद पैदा करते हैं, उसके लिए जो सिम्पल प्रोसेस है, वह भी नहीं करने दिया जा रहा है। ऐसा नहीं होना चाहिए। यह इसलिए हो रहा है कि जो प्रोक्योरमेंट की एजेंसीज हैं उनमें बहुत बड़ा करप्शन है । आज हालत यह है कि पंजाब में एक-एक वेगन लौड करने के लिए एफ०सी०आई० के इंस्पेक्टर हर आदमी से साढ़े तीन से चार हजार रुपये करप्शन के ले रहे हैं। इसकी वजह से पता नहीं क्या-क्या दिक्कतें खड़ी हो रही हैं और सरकार के सामने भी मुश्किलें आ रही हैं और ये किसी लाबी की वजह से आ रही हैं। सरकार को इस बारे में कदम उठाने चाहिए और बोल्ड कदम उठाने चाहिए। किसानों को पैडी से चावल निकालने की इजाजत होनी चाहिए । इससे देश का भी भला होगा और जो करप्शन का फैक्टर है वह भी निकल जाएगा। इससे किसानों को तो सहूलियत होगी ही, देश को भी इससे फायदा होगा। और कंज्यूमर को कम कीमत पर चावल मिलेगा, पालिस राइस मिलेगा । इससे किसान की वेल्यू एडीशन भी होगी । पंजाब की एक समस्या है। उनकी इकनोमी को इस तरह से तोड़ा जा रहा है । इसलिए मैं आपके जरिये सरकार से कहना चाहूंगा कि किसान के साथ यह धक्का बंद होना चाहिए और ओपन करना चाहिए । किसान को जो उसका अपना प्रोडयूस है उसमें उसको छूट होनी चा ।

SHRI VISHVJIT P. SINGH (Maharashtra): Sir, I would like to associate myself with it.

DR. YELAMANCHILI SIVAJI (Andra Pradesh): I also want to associate myself with it. This is a very important matter.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): I know that Shri Vishvjit P. Singh, Shri Siviji, Shri Lather, Shri Ram Nareshji and many others want to associate themselves with him. Fortunately, the Minister concerned is also here and Mr. Jakhar will take note of it. He is reacting.

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BALRAM JAKHAR): This has to be put before the Cabinet. It is a very good positive suggestion for the improvement of farmers' economic conditions. I agree with this.

Irregularities committed in the purchase of paints by the Railways.

SHRI K. G. MAHESWARAPPA (Karnataka): Mr. Vice-Chairman, Sir, in this special mention, I am raising a very serious irregularity in the purchase of paints by the Western and the Central Railways. In fact, the total annual purchase of paints exceeds Rs. 25 crores. On painting the passenger coaches, the